विषय–पालि

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। **पूर्णांक 100**

1-गद्य-पालि-जातकावलि (पाठ 11 से 14 तक) **15**

(क) दो अवतरणों में से किसी एक अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+8=10

(ख) किन्हीं दो जातकों में से किसी एक जातक की कथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में 05

2-पद्य-धम्मपद-पण्डित वग्गो से पाप वग्गो तक **15**

(क) दो गाथाओं में से किसी एक गाथा का हिन्दी अनुवाद 05

(ख) दो वग्गो में से किसी एक वग्ग का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में सारांश 05

(ग) धम्मपद के पाठ 6 से 9 वग्ग के अन्तवर्ती एक गाथा का लेखन जो प्रश्न-पत्र में न आयी हो 05

4-सहायक पुस्तक सिगालोवाद सुत्त - **10**

(क) दो अवतरणों या गाथाओं में से किसी एक का हिन्दी अनुवाद 05

(ख) सिगालोवाद सुत्त की विषय वस्तु, निदान कथा, मित्र के गुण 05
अमित्र के लक्षण आदि पर आधारित सामान्य प्रश्न

5–व्याकरण 6+4+5+5=20

(क) शब्द रूप-

i. पुलिंग = मुनि, भिक्खु
ii. स्त्री लिंग = लता, इत्थी, धेनु
iii. नपुंसक लिंग = आयु पोत्थक

(ख) धातु रूप-अनागत काल (भविष्यत् काल)
भू, हस, वद, चज, दिस, नम, के रूप

(ग) संधि-व्यंजन सन्धि
व्यंजने दीघ रस्सा, सरम्हा द्वे वा, चतुत्थदुतियो स्वेसं ततियपठमा

(घ) समास-कर्मधारय समास, द्वन्द्व समास की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण

6-अनुवाद-हिन्दी के पांच वाक्यों का वर्तमान एवं भविष्य काल की क्रिया में अनुवाद 05

अथवा

निबन्ध-पालि भाषा में छः सरल वाक्यों में किसी एक पर निबन्ध-
कुसीनारा, बोध गया, पालि भाषा, राजा असोको, बुद्ध धम्मो, इसिपतन

7-पालि साहित्य का इतिहास संक्षिप्त परिचय-- 05
द्वितीय संगीति, तृतीय संगीति, विनयपिटक एवं अभिधम्मपिटक के ग्रन्थ एवं इनका परिचय-

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें--

(1) पालिजातकावलि- सम्पादक,प्रो0 बटुकनाथ शर्मा, प्रकाशक-मास्टर खेलाड़ी लाल संकटा प्रसाद, वाराणसी।
(2) धम्मपद- सम्पादक, भिक्षु धर्मरक्षित,प्रकाशक महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।
(3) सिगालोवाद सुत्तं- अनुवादक, डॉ0 भिक्षु स्वरूपानन्द, सम्यक, प्रकाशन, दिल्ली
(4) पालि प्रबोधिनि- आद्यदत्त ठाकुर एम0ए0-प्रकाशक-पुस्तक माला, लखनऊ।
(5) मैनुअल ऑफ पालि- सी0एस0 जोशी, प्रकाशक ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।
(6) पालि महाव्याकरण- भिक्षु जगदीश कश्यप, एम0ए0, प्रकाशक-महाबोधि सारनाथ, वाराणसी।
(7) पालि व्याकरण- भिक्षु धर्मरक्षित,प्रकाशक, ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी
(8) पालि साहित्य का इतिहास- भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी

शैक्षिक सत्र 2022–23 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् कराये जाने की संस्तुति की जाती है:–

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (मौखिक अभिव्यक्ति आधारित परीक्षा) **अगस्त माह** **10 अंक**

2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(रचनात्मक लेखन आधारित परीक्षा) **दिसम्बर माह** **10 अंक**

3–चार मासिक परीक्षाएं **10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) जुलाई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) अगस्त माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम –

1-गद्य- पालि-जातकावलि (पाठ 9 से 10 तक)
2-पद्य- धम्मपद-(वग्ग-10)
3-निबंध- पालिभाषा, राजा अशोको